प्रारंभिक परीक्षा

व्हीकल-टू-व्हीकल (V2V) टेक्नोलॉजी

संदर्भ

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने भारत में व्हीकल-टू-व्हीकल (V2V) टेक्नोलॉजी शुरू करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है।

व्हीकल-टू-व्हीकल (V2V) टेक्नोलॉजी के बारे में

- **प्रकृति:** व्हीकल-टू-व्हीकल (V2V) एक वायरलेस संचार तकनीक है जो आस-पास के वाहनों को गति, स्थान, दिशा, ब्रेकिंग और त्वरण (acceleration) जैसी वास्तविक समय की जानकारी का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाती है।
- **मानक:** इसे 5.875–5.925 GHz आवृत्ति बैंड में संचालित होने वाली सेलुलर व्हीकल-टू-एवरीथिंग (C-V2X) तकनीक का उपयोग करके AIS-230 (ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड) के तहत लागू करने का प्रस्ताव है।
- **उद्देश्य:** प्रारंभिक टक्कर चेतावनी को सक्षम करके, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) का समर्थन करके, और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (ITS) के विकास को सुविधाजनक बनाकर सड़क सुरक्षा में सुधार करना।
- **कार्य तंत्र:** ऑन-बोर्ड यूनिट (OBUs) से लैस वाहन सीधे आस-पास के वाहनों के साथ कम-विलंबता (low-latency) वाले डेटा का आदान-प्रदान करते हैं, जिससे ऑनबोर्ड सिस्टम सेलुलर नेटवर्क पर निर्भर हुए बिना संभावित टक्कर जोखिमों का पता लगा सकते हैं और समय पर ड्राइवर को अलर्ट जारी कर सकते हैं।
- **परिनियोजन (Deployment):** 1 अक्टूबर 2027 से स्वैच्छिक अनुपालन का प्रस्ताव है, जबकि 1 अक्टूबर 2028 से सभी नवनिर्मित L, M, और N श्रेणी के वाहनों के लिए AIS-230 अनिवार्य हो जाएगा।
- **क्षमताएं:** यह 360-डिग्री नॉन-लाइन-ऑफ़-साइट (non-line-of-sight) संचार प्रदान करता है, फॉरवर्ड कोलिजन वॉर्निंग, आपातकालीन इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक अलर्ट, ब्लाइंड-स्पॉट और लेन-परिवर्तन चेतावनी, गलत-दिशा में ड्राइविंग अलर्ट, और आपातकालीन वाहन सूचनाओं जैसे कार्यों का समर्थन करता है, तथा स्पूफिंग और संदेश से छेड़छाड़ को रोकने के लिए एन्क्रिप्टेड साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल को शामिल करता है।

FIR (प्रथम सूचना रिपोर्ट) को वापस लेना या बंद करना

संदर्भ

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि राज्य सरकारें छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) को केवल भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करके ही वापस ले सकती हैं या बंद कर सकती हैं।

प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) के बारे में

- **प्रकृति:** प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) किसी संज्ञेय अपराध (cognizable offence) से संबंधित सूचना का पहला लिखित रिकॉर्ड है, जिसे BNSS के तहत आपराधिक जांच शुरू करने के लिए पुलिस द्वारा दर्ज किया जाता है।

- **भूमिका:** यह पुलिस को अदालत से पूर्व अनुमोदन (approval) की आवश्यकता के बिना संज्ञेय अपराध की जांच करने के लिए अधिकृत करता है।
- **विधिक स्थिति:** FIR किसी कथित अपराध का प्रारंभिक रिकॉर्ड है और यह अपने आप में अपराध (guilt) का सबूत नहीं है।
- **न्यायिक निगरानी:** एक बार दर्ज होने के बाद, कार्यकारी आदेश (executive order) द्वारा FIR को रद्द नहीं किया जा सकता है; इसे बंद करने या वापस लेने के लिए BNSS और न्यायिक जांच के तहत कार्रवाई की आवश्यकता होती है।
- **पुलिस द्वारा बंद करना:** यदि जांच में अपर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं, तो पुलिस BNSS की धारा 193 के तहत एक क्लोजर रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकती है, जिसके बाद मजिस्ट्रेट रिपोर्ट को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है, आगे की जांच का आदेश दे सकता है, या अपराध का संज्ञान (cognisance) ले सकता है।
- **वापस लेना या रद्द करना:** एक लोक अभियोजक अदालत की सहमति से BNSS की धारा 360 के तहत अभियोजन (prosecution) से वापसी की मांग कर सकता है, जबकि उच्च न्यायालय प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने या न्याय के उद्देश्यों को सुरक्षित करने के लिए BNSS की धारा 528 के तहत FIR या आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर सकता है।

क्लाउडेड लेपर्ड कंजर्वेशन एक्शन प्लान (CAP)

संदर्भ

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने अंतर्राष्ट्रीय क्लाउडेड लेपर्ड (धूमिल तेंदुआ) दिवस के अवसर पर क्लाउडेड लेपर्ड कंजर्वेशन एक्शन प्लान (CAP) लॉन्च किया।

क्लाउडेड लेपर्ड कंजर्वेशन एक्शन प्लान (CAP) के बारे में

- **प्रकृति:** क्लाउडेड लेपर्ड कंजर्वेशन एक्शन प्लान (CAP) भारत में क्लाउडेड लेपर्ड और उसके आवासों की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय संरक्षण रणनीति है।
- **उद्देश्य:** महत्वपूर्ण आवासों का संरक्षण करना, वैज्ञानिक जनसंख्या निगरानी में सुधार करना, पारिस्थितिक कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना, मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना।
- **कवरेज:** यह पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में 14 प्राथमिकता वाले परिदृश्यों (landscapes) पर केंद्रित है।
- **वैज्ञानिक निगरानी:** विश्वसनीय जनसंख्या अनुमान स्थापित करने के लिए कैमरा ट्रैप, पर्यावरण डीएनए (eDNA), आनुवंशिक विश्लेषण और ऑक्यूपेंसी सर्वेक्षण (occupancy surveys) का उपयोग करके मानकीकृत जनसंख्या मूल्यांकन को बढ़ावा देता है।
- **आवास संरक्षण:** यह खंडित आवासों को जोड़ने वाले वन गलियारों (forest corridors) की बहाली पर जोर देता है और भूटान, म्यांमार और नेपाल जैसे पड़ोसी सीमा वाले देशों के साथ सीमा-पार सहयोग को प्रोत्साहित करता है।
- **सामुदायिक भागीदारी:** वन संसाधनों पर निर्भरता कम करने के लिए अवैध शिकार विरोधी प्रयासों, आवास संरक्षण और आजीविका पहलों में स्वदेशी समुदायों को शामिल करता है।

क्लाउडेड लेपर्ड (धूमिल तेंदुआ) के बारे में

- **प्रकृति:** क्लाउडेड लेपर्ड दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के जंगलों की मूल निवासी एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है और यह फेलिड्स (felids) के एक प्राचीन विकासवादी वंश का प्रतिनिधित्व करती है।
- **वितरण:** यह नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर भारत से लेकर दक्षिणी चीन और दक्षिण पूर्व एशिया तक पाई जाती है, जो उष्णकटिबंधीय वर्षावनों, तलहटी के जंगलों, मैंग्रोव और शुष्क वुडलैंड्स में निवास करती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
    - **IUCN रेड लिस्ट:** सुभेद्य (Vulnerable)
    - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची I के तहत संरक्षित।
- **वृक्षीय अनुकूलन (Arboreal Adaptations):** इसमें अत्यधिक लचीले टखने के जोड़, शक्तिशाली अंग, बड़े पंजे और एक लंबी पूंछ होती है, जो पेड़ के तनों पर सिर के बल नीचे उतरने सहित असाधारण पेड़-चढ़ने की क्षमता को सक्षम बनाती है।
- **शारीरिक विशेषताएं:** यह अपने बादल के आकार के गहरे निशानों (cloud-shaped dark markings) और जीवित जंगली बिल्लियों के बीच खोपड़ी के आकार के सापेक्ष सबसे बड़े कैनाइन (canine) दांतों द्वारा पहचानी जाती है।
- **आवाज (Vocalisation):** यह बड़ी बिल्लियों की तरह दहाड़ नहीं सकती या छोटी बिल्लियों की तरह लगातार म्याऊँ-म्याऊँ (purr) नहीं कर सकती, यह गुर्राने, फुफकारने और चुफ (chuffs) जैसी आवाजें निकालती है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत

संदर्भ

भारत ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों (Commonwealth Games) में पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के बारे में

- **प्रकृति:** 23वें राष्ट्रमंडल खेल 'राष्ट्रमंडल देशों' (Commonwealth of Nations) के एथलीटों के बीच आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता थी।
- **मेजबान:** खेल स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित किए गए थे; आधिकारिक शुभंकर मिन्नी (Minnie) था।
- **अगला मेजबान:** 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अहमदाबाद (अमदावाद), गुजरात, भारत द्वारा की जाएगी।
- **भारत का प्रदर्शन:**
    - **समग्र रैंक:** भारत ने समग्र पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया।
    - **पदक तालिका:** भारत ने 39 पदक जीते—13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य।
    - **भागीदारी:** भारतीय एथलीटों ने बॉक्सिंग, वेटलिफ्टिंग, एथलेटिक्स, जूडो और पैरा-स्पोर्ट्स जैसे विषयों में प्रतिस्पर्धा की।

नाइट्रोसामाइन(NITROSAMINES)

संदर्भ

हालिया रिपोर्टों ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों, फार्मास्यूटिकल्स, औद्योगिक उत्पादों और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में नाइट्रोसामाइन की उपस्थिति को उजागर किया है।

नाइट्रोसामाइन के बारे में

- **प्रकृति:** नाइट्रोसामाइन (N-nitrosamines) कार्बनिक यौगिकों का एक समूह है जो उपयुक्त परिस्थितियों में नाइट्राइट या नाइट्रेट के साथ एमाइन (amines) की प्रतिक्रिया से बनता है।
- **निर्माण:** ये अम्लीय परिस्थितियों में, उच्च तापमान पर, या ऑक्सीकरण एजेंटों (oxidising agents) की उपस्थिति में निर्मित होते हैं, और खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, या पेट में पाचन के दौरान बन सकते हैं।
- **उपस्थिति:** ये प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों (processed foods), दूषित पानी, फार्मास्यूटिकल्स, तंबाकू उत्पादों और कुछ औद्योगिक उत्पादों में पाए जाते हैं।
- **निर्माण कारक:** इनकी सांद्रता आम तौर पर भंडारण के समय के साथ बढ़ती है, और गर्मी तथा नाइट्राइट-आधारित परिरक्षकों (preservatives) की उपस्थिति से इनका निर्माण तेज हो जाता है।
- **जोखिम के मार्ग:** मनुष्य अंतर्ग्रहण (ingestion), साँस लेने या त्वचा के संपर्क के माध्यम से इसके संपर्क में आ सकते हैं, जिसमें N-nitrosodimethylamine (NDMA) पीने के पानी में पाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण नाइट्रोसामाइन में से एक है।
- **स्वास्थ्य प्रभाव:** कम सांद्रता में भी इसके लंबे समय तक संपर्क में रहने को कैंसर और अन्य प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों के बढ़ते जोखिम से जोड़ा गया है।

राइन नदी (RHINE RIVER)

संदर्भ

यूरोप के सबसे व्यस्त अंतर्देशीय जलमार्गों में से एक राइन नदी में जल स्तर हाल ही में 2018 में दर्ज किए गए पिछले रिकॉर्ड निचले स्तर से नीचे गिर गया, जिससे माल परिवहन (freight transport) बाधित हो गया।

राइन नदी के बारे में

- **प्रकृति:** राइन पश्चिमी यूरोप की एक प्रमुख नदी और अंतर्देशीय जलमार्ग है, यह पश्चिमी यूरोप की सबसे लंबी और यूरोप की 12वीं सबसे लंबी नदी है।
- **उद्गम और मार्ग:** यह स्विस आल्प्स (Swiss Alps) से निकलती है, स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, फ्रांस और नीदरलैंड से होकर बहती है, और रॉटरडैम (Rotterdam) में उत्तरी सागर में गिरती है।

- **अंतरराष्ट्रीय नदी:** राइन जर्मनी-फ्रांस सीमा का हिस्सा बनाती है और इसे जर्मनी में 'रीन' (Rhein) और नीदरलैंड में 'रिजन' (Rijn) के नाम से जाना जाता है।
- **सहायक नदियाँ और प्रमुख स्थल (Landmarks):** प्रमुख सहायक नदियों में आरे (Aare), मोसेले, तमिना, एरफ़्ट, प्लेसुर, रोटैच, राइन दा तुमा और विज़े (Wiese) शामिल हैं; इसमें स्विट्जरलैंड में राइन फॉल्स (यूरोप का सबसे बड़ा जलप्रपात) और अपर मिडिल राइन घाटी (अपने महलों और अंगूर के बागों के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र) भी शामिल है।
- **आर्थिक महत्व:** यह यूरोप का सबसे महत्वपूर्ण वाणिज्यिक जलमार्ग है, जो प्रमुख औद्योगिक केंद्रों और बंदरगाहों को जोड़ता है, और महाद्वीप के रासायनिक और विनिर्माण उद्योगों के एक महत्वपूर्ण हिस्से का समर्थन करता है।

आसन संरक्षण रिजर्व (ASAN CONSERVATION RESERVE)

संदर्भ

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में फैसला सुनाया कि उत्तराखंड में एक रामसर स्थल, आसन संरक्षण रिजर्व के 10 किमी के दायरे में खनन पर प्रतिबंध, समानता (parity) के लिए देश भर के अन्य आर्द्रभूमि संरक्षण रिजर्वों (wetland conservation reserves) पर भी लागू होना चाहिए।

आसन संरक्षण रिजर्व के बारे में

- **प्रकृति:** आसन संरक्षण रिजर्व आसन बैराज के आसपास केंद्रित एक मीठे पानी का आर्द्रभूमि संरक्षण रिजर्व है, जो आसन नदी पर बांध बनाने के बाद बना है।
- **अवस्थिति:** यह उत्तराखंड के देहरादून जिले में आसन और यमुना नदियों के संगम पर स्थित है।
- **मान्यता:** इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 36A के तहत एक संरक्षण रिजर्व घोषित किया गया था, और 2020 में यह उत्तराखंड का पहला रामसर स्थल बन गया।
- **पारिस्थितिक महत्व:** सेंट्रल एशियन फ्लाईवे (Central Asian Flyway) के साथ स्थित, यह प्रवासी और निवासी जलपक्षियों (waterbirds) के लिए एक महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है और BNHS तथा बर्डलाइफ इंटरनेशनल द्वारा एक महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **जलीय आवास:** यह संकटापन्न गोल्डन महसीर (Golden Mahseer) के लिए एक महत्वपूर्ण भोजन, प्रवासन और स्पॉनिंग ग्राउंड (spawning ground) के रूप में कार्य करता है और रूडी शेल्डक (Ruddy Shelduck) के बड़े शीतकालीन झुंडों की मेजबानी के लिए प्रसिद्ध है।

मुख्य परीक्षा

नाटो (NATO) की बदलती रणनीतिक भूमिका

संदर्भ

जैसे-जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका अपना रणनीतिक फोकस हिंद-प्रशांत की ओर स्थानांतरित कर रहा है, नाटो (NATO) यूरोप की रक्षा जिम्मेदारी को बढ़ाकर और हिंद-प्रशांत के साथ अपनी भागीदारी बढ़ाकर अपनी भूमिका को फिर से परिभाषित कर रहा है। इसके भारत की क्षेत्रीय रणनीति और सुरक्षा वास्तुकला के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

नाटो की हिंद-प्रशांत पहुंच एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के भारत के दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित करती है?

सकारात्मक प्रभाव

- **हिंद-प्रशांत को वैश्विक रणनीतिक थिएटर के रूप में ऊपर उठाता है:** नाटो के बढ़ते ध्यान ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय फोकस बढ़ाया है, जिससे एक स्थिर क्षेत्रीय व्यवस्था के लिए कूटनीतिक समर्थन को मजबूती मिली है।
    - उदाहरण: नाटो की 2022 की रणनीतिक अवधारणा (Strategic Concept) ने हिंद-प्रशांत के रणनीतिक महत्व को मान्यता दी।
- **यूरोपीय शक्तियों के साथ भारत की भागीदारी को गहरा करता है:** नाटो की पहुंच ने यूरोपीय देशों को हिंद-प्रशांत में अपनी उपस्थिति सुदृढ़ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे भारत के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय (minilateral) सहयोग के नए अवसर पैदा हुए हैं।
    - उदाहरण: भारत ने फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के साथ समुद्री और रक्षा सहयोग का विस्तार किया है।
- **उभरते सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करता है:** साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लचीलेपन और उभरती प्रौद्योगिकियों में नाटो का अनुभव भारत के लिए उपयोगी संस्थागत अभ्यास प्रदान करता है।
    - उदाहरण: नाटो ने हाल की रणनीतिक पहलों में साइबर रक्षा और लचीलेपन (resilience) को प्राथमिकता दी है।
- **समुद्री सुरक्षा के लिए अधिक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन को बढ़ावा देता है:** सुरक्षित समुद्री मार्गों (sea lanes) में यूरोप की बढ़ती दिलचस्पी, सहकारी सुरक्षा के माध्यम से हिंद महासागर में स्थिरता बनाए रखने के भारत के प्रयासों की पूरक है।
    - उदाहरण: यूरोपीय देश अदन की खाड़ी (Gulf of Aden) में समुद्री डकैती विरोधी अभियानों (anti-piracy operations) में भाग लेते हैं, जिससे सुरक्षित समुद्री व्यापार का समर्थन होता है।
- **हिंद-प्रशांत चुनौतियों पर रणनीतिक संवाद को व्यापक बनाता है:** नाटो की पहुंच ने समान विचारधारा वाले देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति शृंखलाओं और प्रौद्योगिकी पर चर्चा का विस्तार किया है, जिससे परोक्ष रूप से भारत की रणनीतिक भागीदारी को लाभ हुआ है।
    - उदाहरण: इंडो-पैसिफिक फोर (IP4) के साथ नाटो के संवाद ने क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया है।

नकारात्मक प्रभाव

- **भारत के समावेशी हिंद-प्रशांत विजन को चुनौती देता है:** नाटो का गठबंधन-आधारित (alliance-based) दृष्टिकोण, गुटबाजी की राजनीति (bloc politics) के बजाय एक समावेशी, आसियान-नेतृत्व वाली क्षेत्रीय वास्तुकला के लिए भारत की प्राथमिकता के विपरीत है।
    - उदाहरण: भारत का IPOI (इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव) और AOIP (आसियान आउटलुक ऑन द इंडो-पैसिफिक) के लिए समर्थन खुलेपन और समावेशिता पर जोर देता है।
- **महान शक्ति प्रतिद्वंद्विता को तीव्र करता है:** नाटो की अधिक भागीदारी से अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा तेज हो सकती है, जिससे क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है।
    - उदाहरण: चीन ने नाटो के हिंद-प्रशांत जुड़ाव की "एशियाई नाटो" (Asian NATO) को बढ़ावा देने के रूप में आलोचना की है।
- **नाटो के क्षेत्रीय ढांचे से भारत के बहिष्करण को सुदृढ़ करता है:** नाटो का संस्थागत जुड़ाव इंडो-पैसिफिक फोर (IP4) पर केंद्रित है, जबकि भारत रणनीतिक स्वायत्तता के तहत स्वतंत्र बहुपक्षीय मंचों को प्राथमिकता देता है।
    - उदाहरण: भारत औपचारिक नाटो-नेतृत्व वाले तंत्र के बजाय क्वाड (Quad) और भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय (trilateral) को प्राथमिकता देता है।
- **रूस-चीन रणनीतिक अभिसरण (Convergence) को तेज करता है:** नाटो का विस्तार होता रणनीतिक फोकस रूस को चीन के करीब धकेल सकता है, जिससे यूरेशिया में भारत का रणनीतिक लचीलापन कम हो सकता है और रक्षा सहयोग प्रभावित हो सकता है।
    - उदाहरण: पश्चिम के साथ तनाव के बीच रूस-चीन "असीमित" साझेदारी (2022) गहरी हुई है।
- **नाटो की दीर्घकालिक हिंद-प्रशांत भूमिका को सीमित करता है:** नाटो की प्राथमिक जिम्मेदारी यूरो-अटलांटिक सुरक्षा बनी हुई है, जिससे यूरोप में संकट के दौरान इसकी हिंद-प्रशांत प्रतिबद्धता गौण (secondary) हो जाती है।
    - उदाहरण: हिंद-प्रशांत पहुंच के बावजूद यूक्रेन युद्ध नाटो की प्रमुख रणनीतिक प्राथमिकता बना हुआ है।

गठबंधन की राजनीति को अपनाए बिना भारत की सुरक्षा वास्तुकला नाटो के संस्थागत विकास से क्या सबक ले सकती है?

- **राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में रक्षा सुधारों को स्थापित करना:** सशस्त्र बलों और मंत्रालयों के बीच प्राथमिकताओं को संरेखित (align) करने के लिए संयुक्त कमानों (Joint commands) को एक समान रणनीतिक दिशा की आवश्यकता होती है। एक औपचारिक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (NSS) यह संस्थागत मार्गदर्शन प्रदान कर सकती है।
    - उदाहरण: नाटो की रणनीतिक अवधारणा सदस्य देशों के लिए एक समान रणनीतिक ढांचा प्रदान करती है।
- **संस्थागत प्रोत्साहनों के माध्यम से खुफिया समन्वय को सुदृढ़ करना:** एजेंसी के अलगाव (agency silos) को दूर करने के लिए खुफिया एकीकरण (Intelligence fusion) को स्पष्ट जवाबदेही और अनिवार्य सूचना-साझाकरण का समर्थन प्राप्त होना चाहिए।

- उदाहरण: नाटो का इंटेलिजेंस फ्यूजन सेंटर (IFC) समन्वित खतरे के मूल्यांकन (coordinated threat assessment) का समर्थन करता है।

- **नवाचार को गति देने के लिए रक्षा खरीद में सुधार:** नवाचार को तेज़ खरीद (procurement), सरल परीक्षणों (simplified trials) और स्वदेशी तकनीकों को समय पर शामिल करने के साथ पूरक किया जाना चाहिए।
    - उदाहरण: नाटो का डायना (DIANA) क्षमता विकास के मार्गों के साथ नवाचार को पूरक करता है।
- **एकीकृत नागरिक-सैन्य निर्णय-निर्माण का निर्माण:** राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संकट के दौरान रक्षा, कूटनीति, आंतरिक सुरक्षा और आर्थिक मंत्रालयों में समन्वित कार्रवाई (coordinated action) की आवश्यकता होती है।
    - उदाहरण: नाटो का व्यापक दृष्टिकोण (Comprehensive Approach) नागरिक और सैन्य संस्थानों को एकीकृत करता है।
- **स्थायी संरचनाओं के माध्यम से संयुक्तता (Jointness) को संस्थागत रूप देना:** सैन्य प्रभावशीलता में सुधार के लिए एकीकृत योजना, रसद (logistics) और संचालन को संकट-संचालित होने के बजाय नियमित (routine) बनना चाहिए।
    - उदाहरण: नाटो की एकीकृत सैन्य कमान (Integrated Military Command) संयुक्त अभियानों को संस्थागत रूप देती है।